

## The 4 Hour Work Week

क्या आप भी किसी मिलेनियर की तरह रहना चाहते हैं ? क्या आप चाहते हैं कि जब आपकी मर्जी हो तब काम करे, जहाँ मर्जी हो वहाँ रहे और जो मन आये वो करे ? और ये सब करने के लिए आपको सारी लाइफ काम करने की भी ज़रूरत नहीं है, और ये शर्त भी नहीं है कि आपके बैंक अकाउंट में मिलियंस पड़े हो। आपको तो बस न्यू रिच को ज्वाइन करना है।

इस बुक में आप सीखेंगे कि ये न्यू रिच आखिर है कौन। इसमें आपको लाइफस्टाइल डिजाइन के बारे में भी पता चलेगा, द 80/20 प्रिंसिपल और पार्किन्सन लॉ के बारे में भी।

किसी मिलेनियर की तरह रहने का मतलब है अपनी लाइफ अपनी शर्तों पर जीना और टाइम, मनी और लोकेशन की फ्रीडम, और इस बुक से आप सीखेंगे कि ये सब कैसे अचीव किया जाए।

द फोर ऑवर वर्कवीक आपको ऐसी डील की अपोरच्युनिटी देता है जो लाइफटाइम के लिए है। एक इफेक्टिव एंटेप्रेन्योर या एम्प्लोयी होने के साथ-साथ आप पूरा वर्ल्ड घूम सकते हैं, स्कीइंग पे जा सकते हैं या फिर सर्फिंग कर सकते हैं, और आप ये भी देखेंगे कि कैसे मैक्सिमम अचीव करने के लिए आपको मिनिमम एफर्ट करना है। तो अब चलो, शुरू करते हैं.....

### न्यू रिच एंड लाइफस्टाइल डिजाइन

क्या आपने कभी सोचा है कि कैसा होता अगर आपकी एक ऐसी स्टेबल इनकम होती जिसके लिए आपको ऑफिस में 8 घंटे स्टे नहीं करना पड़ता ?

क्या होता अगर किसी क्यूबिकल में अपनी लाइफ के बेस्ट इयर्स गुज़ारने के बदले आपको कोई दूसरा आल्टरनेटिव मिलता ?

अगर आप कोई हार्ड वर्किंग एम्प्लोयी हैं या कोई एंटेप्रेन्योर, तो ये बुक आपके लिए ही लिखी गयी है। आपको अपने हार्डवर्क का रिजल्ट एन्जॉय करने के लिए रिटायरमेंट का वेट करने की कोई ज़रूरत नहीं पड़ेगी, आप पैसे कमाने और वर्किंग होने के साथ भी एक बेस्ट लाइफ एन्जॉय कर सकते हैं।

अपनी लाइफ में एक चॉइस सेलेक्ट करने से पहले तक टिमोथी फेरिस भी एक 9-5 एम्प्लोयी थे। मगर वो अपनी लाइफ को यूँ ही नहीं गुज़ारना चाहते थे।

वो नहीं चाहते थे कि वो सालो इंतज़ार के बाद एक ऐसे ओल्ड मेन बने जो अपनी रिटायरमेंट का पैसा भी एन्जॉय ना कर सके, और टिम फेरिस आपके लिए भी ऐसा बिलकुल नहीं चाहते। इसीलिए तो वो आपको न्यू रिच ज्वाइन करने का इन्वीटेशन दे रहे हैं।

तो जैसा कि हमने पहले पुछा कि ये न्यू रिच कौन लोग है तो इसका आंसर है, वो जिन्होंने सक्सेसफुल बनने के लिए कन्वेंशनल तरीका अप्लाई नहीं किया।

सालो से ये माना जाता रहा है कि अगर सक्सेस पानी है तो खूब मेहनत से स्टडी करो, कॉलेज से डिग्री लो और 8 घंटे ऑफिस की जॉब करो, और इसी को लोग "रियल वर्ल्ड" बोलते है जोकि ज़्यादातर लोगो के लिए "गुड फ्यूचर" है।

लेकिन आप चाहे तो इस रियेलिटी को बेंड कर सकते है। न्यू रिच वो है जो अपने रूल्स बनाकर अपने स्टैण्डर्ड के साथ जीते है। टिम फेरिस और बाकि कईयों ने प्रूव कर दिखाया है कि आप चाहे तो कोई प्रोडक्टिव बिजनेसमेन या एम्प्लोयी होते हुए भी एक लक्जूरियस लाइफ के मज़े ले सकते है।

आप दुनिया जहान घुमते हुए, अपने शौक पूरे करते हुए अपनी फॅमिली को सपोर्ट कर सकते है। फिर चाहे आप मिलेनियर हो या नहीं कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि आपको सिर्फ अपनी मोबिलिटी और टाइम मैक्सीमाइज़ करना है।

"ये बिलकुल ज़रूरी नहीं कि आपकी लाइफ हमेशा हार्ड ही हो" इन न्यू रिच लोगो ने एक नए लाइफस्टाइल डिजाइन को अपनाया है।

ज़रा सोचो जितने घंटे मेहनत आप अभी करते है, उससे आधे घंटे मेहनत करके भी आपको डबल मनी मिले तो ?

सोचो अगर आपको लाइफ एन्जॉय करने के लिए रिटायरमेंट का वेट ना करना पड़े तो ?

आपके पास ऐसी चॉइस हो कि आप सिर्फ काम करने के लिए काम ना करे। आप काम के साथ फन भी कर सके।

डेल बेग स्मिथ सिर्फ 21 साल का है और वो एक सक्सेसफुल एंटप्रेन्योर और प्रोफेशनल एथलीट भी है। उसने 2006 के विंटर ओलम्पिक्स फॉर स्की में गोल्ड मैडल भी जीता था।

डेल ने स्की में एक परफेक्ट बैक फ्लिप लिया था और पिछले सारे रिकोर्ड्स तोड़ दिए। इतनी छोटी से एज में उसके पास एक ब्लैक लेमबोरगिनी है।

डेल ओरिजिनेली केनेडा का है, जहाँ उसने अपने बड़े भाई के साथ मिलकर एक ऑनलाइन आईटी कंपनी खोल रखी है। डेल जब 13 साल का और उसका भाई 15 साल का था तो उन्होंने अपने ओलम्पिक्स में जाने का ड्रीम पूरा करने के लिए एक आईटी फर्म क्रियेट की, और सिर्फ दो साल बाद ही दोनों भाइयों का बिजनेस वेंचर इंडस्ट्री का थर्ड मोस्ट सक्सेसफुल वेंचर बन गया था।

जब डेल के टीम मेट्स जी-जान से ट्रेनिंग में लगे होते है, वो उस टाइम अपने बिजनेस को देता है। एक बार डेल अपने जेपेनीज़ क्लाइंट्स के साथ चाय पीने के लिए टोक्यो तक चला गया था।

हालांकि उसके कोच को लगता है कि उसे ट्रेनिंग में और अटेंशन देनी चाहिए लेकिन डेल अपना बिजनेस और ट्रेनिंग दोनों मैनेज करते हुए एक्सीलेंट स्की परफॉर्मेंस देता रहा है।

डेल अपने ओलम्पिक्स टीम और बिजनेस के बीच फ्रीली मूव करता है। उसे दोनों में से किसी एक को छोड़ने की ज़रूरत नहीं पड़ती। ये 2002 की बात थी जब डेल और उसके बड़े भाई ने आस्ट्रेलिया माइग्रेट करने के बारे में सोचा जोकि स्की के लिए वर्ल्ड का सबसे बेस्ट प्लेस है।

आस्ट्रेलियन टीम छोटी और ज्यादा फ्लेक्सिबल भी है और इसके अलावा उन्हें एक लेजेंडरी कोच भी मिल रहा था, और तीन साल के अंदर ही डेल को आस्ट्रेलियन सिटीजनशिप मिल गयी। ये भी एक लक की बात थी कि उसे अपने फॉर्मर टीममेट्स के साथ कोम्पटीट करने का चांस मिला।

डेल बेग स्मिथ अपना हर गेम जीता और उसे आस्ट्रेलिया का थर्ड विंटर गोल्ड मैडल भी मिला। तो आप भी ये टालमटोल की आदत छोड़िये। काम की खातिर काम ना करे वरना बाद में पता चलेगा कि आपने अपनी लाइफ के 30 से 50 यूँ ही ऑफिस की डेस्क में बैठे बैठे गुज़ार दिए।

लाइफस्टाइल डिजाइन आपको ऐसा ऑप्शन देता है जिससे आप लाइफ में क्या करना है, कहाँ करना है और कब करना है, और किसके साथ करना है, ये सारी बातें कंट्रोल कर सकते हैं।

---

## रूल्स जो रूल्स चेंज कर दे

---

ओस्कर वाइल्डी ने एक बार कहाँ था “हर वो चीज जो पोपुलर है, रोंग है” . न्यू रिच बाकि लोगो से बड़े डिफरेंट टर्म्स में रहते हैं। कहने का मतलब ये बिलकुल नहीं है कि वो अपने हाथो पे चलते हैं या पेंट के बाहर अंडर वेयर पहनते हैं। न्यू रिच अपने रूल्स खुद डिफाइन करते हैं।

यहाँ 5 बेसिक रूल्स हैं जो आप भी फोलो कर सकते हैं -

### 1. “रिटायरमेंट एज ए गोल इज फ्लाड”

इसका मतलब ये कि रिटायरमेंट का गोल रखना ही गलत है, सब लोग रिटायरमेंट पर इतना डिपेंड क्यों रहते हैं ? अगर कोई ऐसा करता है तो इसका सीधा मतलब ये है की उसने जिस तरीके से अपनी लाइफ के मोस्ट फिजिकली फिट इयर्स गुज़ारे, उससे वो खुश नहीं है।

इसके अलावा जब तक आप रिटायर होंगे, जैसे मान लो आज से 30 साल बाद, तब महंगाई इतनी बढ़ चुकी होगी कि आपकी लाइफ सेविंग की कोई ज्यादा वैल्यू नहीं होगी, और क्योंकि आप सारी लाइफ हार्ड वर्क करते रहे तो आपको काम की इतनी आदत हो

चुकी होगी कि रिटायर होने के एक हफ्ते बाद ही आप बोर होने लगेंगे।

## **2. सरवाईव करने के लिए एक्टिविटी के साथ रेस्ट भी ज़रूरी है**

क्या आप 30 की एज में डोनाल्ड ट्रम्प के जैसे ओल्ड दिखना चाहते हैं ? हर रोज़ आप 8 घंटे काम करते हैं तो ज़ाहिर है आप बड़ी जल्दी बूढ़े दिखेंगे।

एक न्यू रिच पर्सन बनकर आप “मिनी रिटायरमेंट” चूज़ कर सकते हैं। आप जब ज़रूरत पड़े तब काम करें वरना आराम। 50 साल बाद रिटायर होने के बजाये आप अपने प्रेजेंट टाइम में घूम फिर सकते हैं या फिर कोई होबी या शौक पूरा कर सकते हैं। आप अपनी लाइफ़ प्रोडक्टिव बनाने के साथ एन्जॉय भी कर सकते हैं।

जैसे एक्जाम्पल के लिए, टिम फेरिस अपना एम् रखते हैं कि वो वन मन्थ एक अलग कंट्री में गुजारेंगे। अगर ये नहीं तो टैगो या किक बोक्सिंग करेंगे। टिम हर 2 मंथ्स काम करने के बाद एक मिनी रिटायरमेंट लेते हैं।

## **3. क्या ये लेज़िनेस है ? बिलकुल नहीं। द थर्ड न्यू रिच रूल्स है, “लेस इस नॉट लेज़िनेस”**

जब आप लाइफ़ स्टाइल डिजाइन अप्लाई करते हैं तो मीनिंग लेस वर्क से आपको छुटकारा मिल जाएगा ताकि आप अपनी मोस्ट इम्पोर्टेंट चीज़ों पर फोकस कर पाए। न्यू रिच ऑफिस में कम टाइम स्पेंड करने के बावजूद सबसे ज्यादा इफेक्टिव होते हैं। क्योंकि बिजी होने का मतलब ज़रूरी नहीं कि काम भी प्रोडक्टिव ही हो।

## **4. आस्क फॉर फोरगिवनेस, नॉट परमिशन**

लोग हमेशा ही आपको पीछे धकलने की फ़िराक में लगे रहेंगे चाहे आपका पार्टनर हो, आपके पेरेंट्स या आपका बॉस। बेशक उन्हें बुरा लगे तो लगे, लेकिन अपनी सक्सेस के रास्ते में किसी को भी ना आने दे। आपकी बातों से उनका कोई बड़ा नुकसान नहीं होने वाला है। आगे बढ़ने के लिए आपको किसी की भी परमिशन लेने की ज़रूरत नहीं है।

## **5. एब्सोल्यूट इनकम से ज्यादा रिलेटिव इनकम इम्पोर्टेंट है**

दो टाइप की इनकम होती है, एब्सोल्यूट और रिलेटिव। अब एब्सोल्यूट इनकम बस आपकी सैलेरी होती है, जबकि रिलेटिव इनकम में आपकी सैलेरी और आपका वर्किंग अमाउंट ऑफ़ टाइम दोनों कंसीडर होते हैं।

अब जैसे जेन और जॉन को ही ले लो। जेन की एनुअल इनकम \$100,000 है जबकि जॉन की बस \$50,000 है, और अगर हम सिर्फ़ मनी कंसीडर करें तो जेन टू टाइम रिच है।

लेकिन हम यहाँ एक बिगर पिक्चर मिस कर रहे हैं। जेन एक्चुअल में वीकली 80 घंटे काम करती है जोकि इकल है \$25 के, जबकि जोन वीकली सिर्फ 10 घंटे ही काम करता है और उसका वन आवर \$100 के बराबर है। तो एक्चुअल में कौन ज्यादा रिच है, जेन या जोन ?

“डॉट फोलो अ मॉडल डेट डज़ नोट वर्क” हम कई सालो से “रियल वर्ल्ड” और श्योर वे टू सक्सेस के तरीको के बारे में सुनते आ रहे हैं। लेकिन आप ही सोचो अगर कोई रेसिपी अच्छे रिजल्ट नहीं ला रही तो क्या आप फिर भी फोलो करेंगे ?

## कोनक्कीरिंग फियर (अपने डर पे काबू पाना)

---

अब आपको पता है कि न्यू रिच के बनेफिट्स क्या हैं तो आप भी क्यों नहीं उनमें से एक बन जाते ? या आप डरते हैं ? या फिर इतने सालो से जो लाइफस्टाइल जी रहे हैं, उसकी आदत पड़ गयी है आपको।

हैंस कीलिंग सेंचुरी सिटी, लोस एंजेलेस में एक कोर्पोरेट लॉयर थे जो 5 सालो से प्रैक्टिस कर रहे थे। इन पांच सालो उन्हें हर रोज़ मोर्निंग में सेम टाइम पे उठने की हैबिट थी, और हैंस को यही लाइफस्टाइल आगे 40 या 50 सालो तक और जीनी थी. .

एक बार ऐसा हुआ कि एक प्रोजेक्ट फिनिश करने के चक्कर में हैंस अपनी ऑफिस डेस्क के नीचे ही सो गए, और नेक्स्ट डे मोर्निंग में भी उसी पर काम करते रहे। ये प्रोजेक्ट काफी मुश्किल था और हैंस कीलिंग ने कसम खाई कि अगर उन्हें ऐसे दो और प्रोजेक्ट करने पड़े तो वो जॉब छोड़ देंगे।

उसके बाद हैंस ने कोपाकाबना में एक लाइफ चेंजिंग वीकेंड स्पेंड किया। उन्होंने ग्राउंड से 30,000 फीट की उंचाई पर पैराग्लाइडिंग की, और जब वो नीचे उतर रहे थे तो उन्हें रियेलाईज़ हुआ कि हम लाइफ में जो भी रिस्क लेते वो बस शुरू शुरू में ही डराते हैं, और यही वो टाइम थे जब उन्होंने डिसाइड किया कि बस! अब काफी हो गया।

अगली सुबह हैंस जब अपने लॉ ऑफिस पहुंचे और आते ही अपना रिजाइन लैटर दे दिया। हैंस ने वो सब बातें सुनी जो उनके क्लींक्स ने उनसे कही, जैसे कि वो एक रॉंग डिजीज़न ले रहे हैं, अपनी लाइफ बर्बाद कर लेंगे वगैरह वगैरह। लोग कहने लगे कि जब तुम्हारे पास इतना सब कुछ है तो तुम लाइफ में और क्या ढूँढ़ रहे हो ? और क्या चाहिए तुम्हें ?

लेकिन इसका जवाब तो हैंस के पास भी नहीं था कि उन्हें क्या चाहिए ? उन्हें तो बस इतना पता था कि कोर्पोरेट लॉयर की उनकी ये जॉब अब उनसे सही नहीं जाती। उन्हें अब क्लींक्स के साथ एक और डिनर अटेंड नहीं करना था जो अपनी लेटेस्ट गाड़ियों की बातें करे। क्योंकि हैंस को अब बस पीस ऑफ़ माइंड चाहिए था जिसके लिए वो एक अरसे से तरस रहे थे।

एक साल बाद भी हैंस को कई सारी लॉ फर्म से जॉब ऑफर मिलते रहे। लेकिन अब वो

अपनी लाइफ का एक नया चैप्टर खोल चुके थे। हैस ने एक लीडिंग सर्फ-एडवेंचर का बिजनेस शुरू कर दिया था जिसका नाम था नेक्सस सर्फ, और वो ब्राजील की एक खूबसूरत जगह फ्लोरियाना पोलिस शोर्स में रिलोकेट हो गए थे।

वहां हैस को एक वंडरफुल लड़की टीयाना मिली जो उनकी गर्लफ्रेंड बनी। अब वो क्लाइंट्स को अटेंड नहीं करते थे बल्कि पाम ट्रीज़ के नीचे एन्जॉय करते थे।

अब वो अपनी पुरानी ओवर वर्कड और अंडरजोयड लाइफ से दूर जा चुके थे। जो रिस्क उन्होंने लिया वो उनकी लाइफ का मोस्ट अमेज़िंग डिज़ीज़न था। हालांकि जब उन्होंने अपनी लॉयर की जॉब छोड़ी तो उन्हें फ्यूचर का कुछ पता नहीं था। लेकिन हाँ उन्हें ये ज़रूर पता था कि ये डर उन्हें पैराडाईज़ तक ले जाएगा।

हर रोज़ हैस उन क्लाइंट्स के साथ होते हैं जो उन्हें अपने ओल्ड शेल्फ की याद दिलाते हैं। ज़्यादातर इनमें से ऐसे प्रोफेशनल्स होते हैं जो अपनी स्ट्रेसफुल लाइफ से कुछ टाइम का ब्रेक लेकर यहाँ आते हैं।

ये लोग अक्सर हैस से कहते हैं "आई विश आई कुड डू व्हट यू डू (काश मैं वो कर पाता जो तुम करते हो)" और हैस हमेशा उन्हें बोलते हैं "यू केन", मगर थ्रिलिंग सर्फ सेशन के बाद ये कस्टमर कहते हैं "आई वुड बट आई कांट रियेली थ्रो इट आल अवे (मैं करूँगा, लेकिन मैं वास्तव में इसे दूर नहीं कर सकता)" और ये बात हैस किलिंग से बैटर ये कौन जान सकता है।

अगर आप उसकी पोजीशन में होते तो क्या आप भी यही करते जो हैस ने किया ? क्या आप अपनी लाइफ का इतना बड़ा स्टेप उठा पाते ? क्या आप अनसर्टेनिटी और फेलर ऑफ़ फियर फेस कर पाते ?

हम में से कई ऐसे होंगे जो अभी भी अपनी अनहैप्पी जॉब्स करते रहेंगे क्योंकि हम हर हाल में अनसर्टेनिटी अवॉयड करना चाहते हैं। लेकिन अगर आप जॉब क्विट करके अपना पैसन फोलो करते हैं तो सोचो ज्यादा से ज्यादा बुरा क्या होगा ? पॉसिबल है कि आप बहुत फ़िक्र करते हो, और जो भी आपके एक्शन के कोनसिक्वेंस होंगे वो परमानेंट नहीं होंगे। आप उन्हें चेंज कर सकते हैं, और वर्स्ट केस सिनेरियो में आप रिकवरी के लिए पहले से ही अपने स्टेप्स प्लान कर सकते हैं फिर आप देखना कि ये रिस्क लेना उतना भी बैड आईडिया नहीं था।

## टेकिंग द डील

---

अब आपको पता है न्यू रिच क्या होते हैं, और आपको लाइफ स्टाइल डिज़ाइन का टेस्ट भी मिल गया है। कोई भी बड़ा स्टेप लेना रिस्की ज़रूर होता है मगर ये वर्थ करता है।

न्यू रिच डिफाइन करने के बाद हम इसके थ्री एस्सेक्ट्स की तरफ मूव करेंगे जोकि है

फ्रीडम ऑफ़ टाइम, इनकम, और लोकेशन। तो आप फ्रीडम ऑफ़ टाइम कैसे पा सकते हैं ?

आपको सिम्पली ऐसे अनइम्पोर्टेंट चीजों को एलिमिनेट करना है जो आपका टाइम वेस्ट करे। आपकी इनकम पर आपका कितना फ्रीडम है ?

आपको इफेक्टिव सिस्टम ऑटोमेट करना है जो आपको रेवेन्यू देंगे और आपको इसे हमेशा चेक करने की भी ज़रूरत नहीं है। आप टास्क आउटसोर्स करते हैं जो बाकी लोग हैंडल कर लेंगे। आप लोगो को और प्रोसेस को माइक्रो- मनेजिंग करना स्टॉप कर देते हैं।

आप लोकेशन की फ्रीडम कैसे पा सकते हैं ? खुद को लिब्रेट करके आप ऐसा कर सकते हैं, और ऐसा आप अपना यूजवल 9-5 एस्केप करके और मिनी रिटायर्मेंट लेके कर सकते हैं।

एशेंशियली आप टेक द डील की मदद से न्यू रिच बनेंगे। इसमें डी का मीन्स है डेफिनेशन, ई मीन्स एलिमिनेशन, ए मीन्स ऑटोमेशन और एल फॉर लिबरेशन। नेक्स्ट चैप्टर में हम एलिमिनेशन और अपने प्रीशियस टाइम पर फ्रीडम पाने के बारे में डिस्कस करेंगे।

क्या आप टाइम मैनेजमेंट के एक्सपर्ट हैं ?

क्या आप डेली मल्टी टास्किंग करते हैं ?

यहाँ एक चीज़ हम बताते हैं कि टीम फेरिस कहते हैं कि इसके बारे में सब भूल जाओ। आपको रिडीक्यूलस लग रहा है ? चलो 80/20 प्रिंसिपल और पार्किंसन के बारे में जानते हैं।

## 80/20 प्रिंसिपल

---

### ये 80/20 प्रिंसिपल क्या है?

इसे इकोनोमिस्ट विल्फ्रेडो परेटो ने प्रोपोज़ किया था. इसलिए इसे परेटो का लॉ भी कहा जाता है। सिम्पली बोले तो इसका मीनिंग है कि आपके टोटल आउटपुट का 80% आपके 20% टोटल इनपुट से आता है।

अगर आपका कोई बिजनेस है तो आपको रियेलाइज होगा कि आपके प्रॉफिट का 80% आपके 20% कस्टमर्स से आता है। ये वो लोग हैं जो हमेशा आपके ज्यादा प्रोडक्ट खरीदते हैं।

अगर आप कोई एम्प्लोयी है तो आप नोटिस करेंगे कि आप अपना 80% रिजल्ट अपने 20% ऑफिस आवर्स में से प्रोड्यूस करते हैं। क्या आपने कभी नोटिस किया है कि रेगुलर 8 आवर्स के बजाये 2 आवर्स के ओवरटाइम से आपने ज्यादा रिजल्ट अकम्प्लिश किया हो।

टीम फेरिस ने अपना बिजनेस चलाने के लिए डेली 15 आवर्स तक काम किया है। वो हमेशा खुद को हेल्पलेस और ओवरव्हेल्ड फील करते थे। वो डेली सनराइज़ से पहले उठकर यू.के. में अपने कस्टमर्स को कॉल करते और रेगुलर 9-5 घंटे अपने यू.एस. वाले कस्टमर्स को फोलो किया करते थे।

उसके बाद न्यूज़ीलैंड और जापान मार्किट के लिए फोन कॉल्स में लग जाते थे जो मिडनाईट तक चलती रहती थी। उस वक्त तक टिम को 80/20 के प्रिंसिपल के बारे में पता चल चुका था। तब उनके 120 व्हालसेल कस्टमर्स थे जिनमे से बस 5 ही रेगुलर आर्डर देते रहते थे फिर चाहे टिम उन्हें फोलो करे या नहीं, और वो कस्टमर्स आर्डर भी हमेशा बल्क में देते थे तो टिम ने डिसाइड किया कि वो बस इन्हीं कस्टमर्स के उपर फोकस करेंगे नाकि उन सबको जो उन्हें हेडेक के अलावा और कुछ नहीं देते।

टिम के दो ऐसे भी कस्टमर्स थे जो हमेशा ही उन्हें साथ आग्युमेंट किया करते थे जिसकी वजह से पूरा दिन टिम का मूड खराब रहता था, और अल्टीमेटली उन्होंने उन दोनों कस्टमर्स को इग्नोर करना शुरू कर दिया। तो क्या उन्हें कोई लोस हुआ ? एकचुली टिम को उल्टा फायदा हुआ।

उनके ज्यादातर कस्टमर्स हाईमेन्टेनेस वाले थे। उन के साथ काफी टाइम और एनर्जी खर्च होती थी मगर उनसे उतना बड़ा आर्डर नहीं मिलता था।

परेटो के लॉ के अकोर्डिंग टिम अपने सिर्फ 5% कस्टमर से ही 95% प्रॉफिट कमाते थे। ज्यादा कस्टमर्स का मतलब ज्यादा प्रॉफिट हो, ये ज़रूरी नहीं। इसलिए टिम ने बाकी के अनयूज़फुल कस्टमर्स के बजाए सिर्फ उन्हीं टॉप 5 पर फोकस किया जो उन्हें लार्ज आर्डर देते थे।

हाई मेंटेनेस और लोयील्ड कस्टमर्स को अपनी लाइफ से एलिमिनेट करके वो काफी रिलेक्स फील कर रहे थे, और फिर सिर्फ एक मन्थ में ही उनका प्रॉफिट \$30K से बढ़कर \$60K हो गया, और उन्हें ज्यादा स्पेंड करने की भी ज़रूरत नहीं पड़ी क्योंकि उनके पास अब 5 डिपेंडेबल कस्टमर्स थे जो रेगुलरली बल्क आर्डर देते थे।

अब उनके वीकली काम करने के घंटे 80 से सिर्फ 15 रह गए थे। सबसे इम्पोर्टेंट बात ये थी कि वो अब बेहद खुश और लिबरेटेड फील किया करते थे, और अब उनका बिजनेस भी पहले से ज्यादा बढ़िया चल रहा था।

## पार्किन्सन लॉ, मिनी रिटायरमेंट एंड द मोबाइल लाइफस्टाइल

---

पार्किन्सन के लॉ के हिसाब से लेस टाइम यील्ड्स मोर रिजल्ट्स. मतलब कम टाइम में ज्यादा रिजल्ट मिलता है। अगर आप एक एम्प्लोयी है तो आपको अक्सर अपने टास्क फिनिश करने में 8 घंटे लगते है।

लेकिन आप देख सकते है कि इसमें से ज़्यादातर टाइम आपका बेकार की इररेलेवेंट



चीज़े करने में गुज़रता है। दरअसल आपको टास्क पूरे करने के लिए 8 आवर्स चाहिए ही नहीं। आप ऑफिस में फाइल अरेंज करते घुमते रहते हैं, कलीग्स से बातें करते रहते हैं या फिर अपनी इमेल्स मैनेज करने में लगे रहते हैं। लेकिन आप इस सबसे कोई प्रोग्रेस नहीं कर रहे होते हैं।

"टाइम इसलिए वेस्ट होता है क्योंकि हमारे पास इतना सारा टाइम अवलेबल होता है" लेकिन ये सिर्फ आपका फाल्ट नहीं है। ये तो 9-5 ऑफिस कल्चर की गलती है।

लेकिन अगर आप एक एम्प्लोयी तो भी आप रिमोट वर्क अरेंज करके एक्सीलेंट रिजल्ट डिलीवर कर सकते हैं। इसके लिए आपको ऑफिस में 8 घंटे बैठने की भी ज़रूरत नहीं है। आप घर से या किसी दूसरी कंट्री में बैठे बैठे भी अपने टास्क पूरे कर सकते हैं।

डेव कैमारिल्लो 7 सालो से भी ज्यादा टाइम से एचपी में टेक सपोर्ट थे। वो 22 कंट्रीज़ और 45 स्टेट्स के कस्टमर्स की टेक प्रोब्लेम्स हैंडल करते थे। डेव 45 इयर्स के हैं। उनका जॉब छोड़कर खुद का बिजनेस खोलने का कोई प्लान नहीं है। उन्हें अपना काम पसंद है।

लेकिन कोई था जिसने उनकी लाइफ चेंज कर दी। वो और कोई नहीं शुमे वू है। डेव उससे अपने शेनझेन के ट्रिप के दौरान मिले थे और फिर दोनों में प्यार हो गया। अब वो दोनों 6 महीने से इस रिलेशनशिप को निभा रहे हैं।

तो डेव आखिर शुमे के साथ कैसे रिलेशनशिप मेंटेन रखते हैं जबकि वो उनसे 5,913 माइल्स दूर है ? डेव अब पुराने वाले डेव नहीं थे जो अपने घर में स्पाइडरमेन वाली चड़ी पहन के प्ले स्टेशन पे गेम खेलते रहते थे।

उन्हें तो अब एक परफेक्ट पार्टनर मिल गयी थी जिसके साथ वो खुशी-खुशी पूरी लाइफ बिताना चाहते थे। डेव अपनी टेक कार्स घर से ही रिसीव करते थे। बाद में उन्होंने अपना वन वीक का एक्सपेरिमेंट किया।

उन्होंने चाइना का वन वे टिकट लिया और साथ में अपना रिलाएबल टी मोबाइल जीएसएम ट्रूई बैंड फ़ोन लेके गए, और फिर 12 टाइम जोन क्रॉस करने के बाद डेव ने जब शुमे को प्रोपोज़ किया तो उसने भी एक्सेप्ट कर लिया। पूरी लाइफ टाइम के अपने सेकंड ट्रिप में डेव ने शुमे की फेमिली के साथ पूरे 30 दिन स्पेंड किये।

वहां पालो आल्टो, एच. पी में किसी को भी उनकी एब्सेंस का पता नहीं चला क्योंकि डेव यूज्वल तरीके से बिजनेस कर रहे थे। जाने से पहले डेव ने सारी कार्स अपने मोबाइल फोन पर फॉरवर्ड का ऑप्शन डाल दिया था।

जब फाइनली डेव ने अपने सीनियर्स को बताया तो उन्होंने सिर्फ इतना बोला - "हम फोन का एक्सपेंस नहीं पे करेंगे" ना तो डेव जॉब से निकाले गए ना ही कोई उन पर चिल्लाया। उन्होंने हर समर सीजन में टू मंथ्स चाइना में रहने की फ्रीडम जो अर्न कर ली थी। वो इसे योरोप और ऑस्ट्रेलिया में रेगुलर बिजनेस ट्रिप के बदले कम्पन्सेट कर सकते हैं। मैंने अपनी लाइफ के 30 इयर्स में कभी ट्रेवल नहीं किया तो अब मैं ऐसा क्यों ना करू ? डेव कहते हैं।

अगर आप एंटरप्रेन्योर है तो आपको भी शायद 9-5 घंटे ऑफिस की आदत होगी। लेकिन क्या आपको वाकई लगता है कि मिलेनियर होने के लिए लॉन्ग आवर्स काम करना इतना ज़रूरी है ?

एक बार एक अमेरिकन टाईकून था जो एक बार मेक्सिको के एक छोटे से विलेज में वेकेशन पे गया। क्योंकि ऐसा उसके डॉक्टर ने उसकी हेल्थ ठीक करने के लिए बोला था।

लेकिन अपने वेकेशन के फर्स्ट डे में ही उस बिजनेस टाईकून को अपने बिजनेस से रिलेटेड बैड न्यूज़ मिली। तो वो कुछ फ्रेश एयर लेने के लिए वॉक पे चला गया। वहां उसने एक फिशरमेन को देखा जिसके पास एक छोटी सी बोट थी, और उसने अभी अभी बड़ी-बड़ी येलो फिन ट्यूना फिश पकड़ी थी। उस बिजनेस टाईकून ने उस फिशरमेन को इतने बढ़िया कैच के लिए कॉम्प्लीमेंट दिया।

“कितना टाइम लगा तुम्हें इन्हें पकड़ने में ?” बिजनेसमेन ने पुछा। “बस थोड़ी देर” फिशरमेन ने कहा। तो इस पर बिजनेस ने फिर पुछा “तो तुमने ज्यादा फिश पकड़ने के लिए कुछ देर और वेट क्यों नहीं किया”

“मेरी फेमिली और कुछ फ्रेंड्स के खाने लायक इतना काफी है” फिशरमेन ने कहा। तो फिर बाकी टाइम तुम क्या करते हो ?

फिशरमेन ने बताया कि वो अपने बच्चों का ख्याल रखता है, दोपहर में वो अपनी वाइफ के साथ नींद लेता है, रात में वो विलेज में अपने फ्रेंड्स से मिलने जाता है और वो सब मिलकर गिटार बजाते हुए वाइन पीते हैं।

फिशरमेन की बात सुनकर बिजनेसमेन जोर से हंसा और उसने कहा “सर, मैंने हार्वर्ड से एम्. बी. ए. किया है और मैं आपकी हेल्प कर सकता हूँ” उसने फिशरमेन को सजेशन दिया कि उसे फिश पकड़ने में और ज्यादा टाइम लगाना चाहिए ताकि वो एक बड़ी सी बोट ले सके, और फिर ऐसे वो और बड़ी बोट ले सकता है, और फिर एक दिन उसके पास खुद की एक फिशिंग लाइन होगी।

जब वो ज्यादा फिश पकड़ने लगेगा तो उसे मिडल मेन के साथ डील करने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। क्योंकि कस्टमर्स को डाइरेक्टली सेल करने से उसे ज्यादा प्रॉफिट मिलेगा जिससे वो खुद की कंपनी स्टार्ट कर सकेगा। क्योंकि फिशरमेन के पास सारा कंट्रोल होगा, अपने प्रोडक्ट को प्रोसेस करने से लेकर डिस्ट्रीब्यूशन तक। फिर बाद में वो चाहे तो अपना ये छोटा सा गाँव छोड़कर मेक्सिको सिटी या लॉस एंजेलिस या फिर न्यू यॉर्क में भी रह सकता है।

“मगर सर, इतना कुछ हासिल करने में कितना टाइम लग जाएगा ?” फिशरमेन ने पुछा।

“15 या 20 साल, ज्यादा से ज्यादा 25 साल.” बिजनेसमेन ने ज़वाब दिया.

लेकिन तब क्या होगा सर ?

इस पर बिजनेसमेन फिर हंसा और बोला "यही तो बेस्ट पार्ट होगा। राईट टाइम आने पर तुम एक आईपीओ एनाउंस करोगे और अपनी कंपनी बेच दोगे...तुम्हें मिलियंस मिलेंगे।"

"मिलियंस, सर ? लेकिन फिर क्या होगा ?" फिशरमेन ने कहा।

तो बिजनेसमेन ने उसे बताया कि जब फिशरेन के पास मिलेनियर होंगे तो उसे काम करने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। तब वो काम से रिटायर होके किसी छोटे से गाँव रह सकता है जहाँ वो देर तक सोया रहेगा और सुबह थोड़ी फिशिंग करेगा। अपने बच्चों का ख्याल रखेगा और दोपहर में वाइफ के साथ नींद लेगा और फिर शाम को अपने फ्रेंड्स के साथ गिटार बजाते हुए वाइन पिएगा।

## **एलिमिनेट, ऑटोमेट एंड देन लिबरेट**

एक फिशरमेन भी न्यू रिच बन सकता है। इस स्टोरी का फिशरमेन उतनी ही येलो फिन ट्यूना पकड़ता है जिसमें उसकी फेमिली का गुज़ारा हो जाए और ये काम भी वो बस कुछ घंटों के लिए ही करता है।

तो बाकी टाइम वो क्या करता है ? ये टाइम वो अपनी फेमिली और फ्रेंड्स के साथ स्पेंड करता है। वो अपने होमटाउन की ब्यूटी एन्जॉय करता है। अपने फ्रीडम ऑफ़ टाइम, इनकम और लोकेशन के साथ क्या आपको नहीं लगता कि वो फिशरमेन किसी मिलेनियर की लाइफ जी रहा है ?

अगर आप भी कोई एम्प्लोयी है तो आप भी डेव कैमॉरिलो के जैसे ऑफिस एस्केप कर सकते हैं, और अगर आप कोई एंटप्रेन्योर है तो आप कभी भी टिम फेरिस की तरह मिनी रिटायर्मेंट ले सकते हैं। टास्क एलिमिनेट करने के लिए और अपनी इनकम ऑटोमेट करने के लिए हम यहाँ कुछ और टिप्स शेयर कर रहे हैं। टेक द लो इन्फोर्मेशन डार्इट।

ऐसी किसी भी इन्फोर्मेशन पर जो आपके काम या बिजनेस से रिलेटेड ना हो, ज्यादा फोकस ना करे जैसे कि आपके फ्रेंड्स की कोई लेटेस्ट गॉसिप या सोशल मिडिया। आपको न्यूज़ देखने या पढ़ने से भी बचना चाहिए। आप पूछेंगे कि ऐसा क्यों ? इनमें से ज्यादातर नेगेटिव होती है और आपके कंट्रोल के बाहर। तो फायदा क्या ? आप बिना न्यूज़ देखे भी एक अच्छे सिटीजन हैं।

### **● इमेल्स की वजह से आपका बहुत टाइम वेस्ट होता है**

ऐसा ना होने दे। हर बार इमेल रिसीव होने पर अपना इन्बोक्स खोलने की ज़रूरत नहीं है। दिन में एक बार ही अपनी इमेल्स चेक करने की आदत डालो। ऑटो रिप्लाय का ऑप्शन सेट करे। फॉरवार्डेड मैसेजेस को अनस्बसक्राइब कर दे।

- **रिप्यूजिंग एक आर्ट है, यानी मना करना सीखे**

स्माल टॉक्स या फालतू की चिट-चैट से खुद को दूर रखे फिर चाहे आप फ़ोन पर बातें कर रहे हो या इमेल भेज रहे हो या फिर किसी के साथ वन ऑन वन कॉन्वैरसेशन। खुद के साथ-साथ लोगों को भी पॉइंट टू पॉइंट बात करने के लिए एंकरेज करे। ताकि मुद्दे की बात की जा सके।

- **मीटिंग्स अवॉयड करे**

मीटिंग्स टाइम कन्ज्यूमिंग होती है, और ज्यादातर लास्ट में प्रोब्लेम्स अनसोल्व्ड ही रह जाती हैं। ज्यादातर मामले वीडियो कॉल्स या इमेल्स से भी निपटाए जा सकते हैं। अगर आपको रिपोर्ट करना है तो खुद पहल करे और जब काम हो जाये तो बाहर आ जाए। हर मीटिंग या कॉन्फ्रेंस का एक टाइम लिमिट डिफाइन करे।

- **टास्क आउटसोर्स करे जो आप वर्चुअल असिस्टेंट को असाइन कर सके।**

आप पर्सनल और बिजनेस रिलेटेड टास्क आउट सोर्स कर सकते हैं जो वेब साइट मेंटेनेन्स से लेकर अपने लव वंस के लिए गिफ्ट खरीदने तक कुछ भी हो सकता है। टास्क की लिस्ट एंडलेस होती है। बस खयाल रहे कि इंस्ट्रक्शन क्लियर और प्रीसाइज हो, और अगर आप एम्प्लोयी है तो कंपनी की कोई इन्फोरमेशन डिस्कलोज ना करे।

- **डू नोट माइक्रो मैनेज**

अगर आप एंटरप्रेन्योर हैं तो अपने लोगों को इंडीपेंडेंट होकर काम करना सिखाइए। उनके जजमेंट्स पर ट्रस्ट करे ताकि जब भी कोई प्रॉब्लम हो, उन्हें आपको बार-बार कॉल करने की ज़रूरत ना पड़े..

- **कण्ट्रोल कस्टमर ऑप्शन**

अपने प्रोडक्ट की ढेर सारी वैराइटीज मत रखिये. पेमेंट और शिपिंग ऑप्शन लिमिट रखे ताकि आपको कम कम्प्लेंट्स मिले जिससे आपका स्ट्रेस भी कम होगा। अपने आइडियल कस्टमर ढूढने की कोशिश करे।

- **क्या आपको फोर्ड मोटर्स के मॉडल टी के बारे में पता है ?**

इसे “आल टाइम बेस्ट सेलिंग कार” माना जाता है। हेनरी फोर्ड ने कहा था “कस्टमर केन हेव एनी कलर ही वांट्स, सो लॉन्ग एज़ इट इज़ ब्लैक कस्टमर सर्विस का मतलब पर्सनल बटलर होना नहीं होता है। इसका मतलब है अपने कस्टमर को अफोर्डेबल प्राइस में कम से कम टाइम में बेस्ट प्रोडक्ट देना।

**कनक्लूजन -**

आपको हमने न्यू रिच और लाइफ स्टाइल डिजाइन के बारे में बताया। आपने 80/20 प्रिंसिपल और पार्किन्संस के लॉ के बारे में भी जाना। आपको हमने मिनी रिटायरमेंट और मोबाइल लाइफस्टाइल के बारे में भी बताया। आपने कुछ टिप्स भी सीखे जिससे टास्क एलिमिनेट किये जाएं और इनकम ऑटोमेट हो सके, और अगर आप ये टिप्स अप्लाई करते हैं तो आपका ऑफिस में पूरा दिन बैठने की ज़रूरत नहीं पड़ेगी। आप 9-5 कल्चर से खुद को लिबरेट रख सकते हैं। फिर आप देखेंगे कि काम के अलावा भी लाइफ में काफी कुछ है करने को। ज़रा याद करो कि लास्ट टाइम कब आपने अपनी फेमिली और फ्रेंड्स के साथ बढ़िया सा टाइम स्पेंड किया था ? लास्ट टाइम कब आप आउट डोर गए थे ? लास्ट टाइम आपने कब ऐसा कुछ किया था जो आपके वर्क से रिलेटेड नहीं था। तो इसलिए टेक द डील। ज्वाइन न्यू रिच और मिलेनियर की तरह जीने की आदत डालें।

worldwidenovel